भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †3438

सोमवार, 16 दिसम्बर, 2024/25 अग्रहायण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

संवेदनशील क्षेत्र में अति-पर्यटन पर रोक लगाना

†3438. श्रीमती पूनमबेन माडम:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार पारिस्थितिकी पर्यटन परियोजनाओं के लिए स्वदेशी और स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम कर रही है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने संवेदनशील क्षेत्रों में अति-पर्यटन को रोकने के लिए कोई उपाय किए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (घ): देश में पर्यटन का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों द्वारा किया जाता है। पर्यटन मंत्रालय पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए 'स्वदेश दर्शन' और 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद)' नामक अपनी योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता प्रदान करके विकास संबंधी प्रयासों को संपूरित करता है। यह सहायता संबंधित योजना दिशानिर्देशों के अनुसार, संबंधित योजनाओं के तहत धन की उपलब्धता आदि के आधार पर राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है। मंत्रालय ने अब स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के तौर पर नया रूप दिया है, जिसका उद्देश्य देश में स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों का विकास करना है।

स्वदेश दर्शन के योजना दिशानिर्देश भावी विकास के मूल में स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन के विकास पर जोर देते हैं और स्थायी पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, जो राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को गंतव्यों के विकास के लिए

परियोजनाएं तैयार करते समय स्थानीय समुदायों और हितधारकों के साथ विधिवत विचार-विमर्श सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को एक स्थायी पर्यटन उपाय के रूप में मौजूदा गंतव्यों पर भीड़भाड़ कम करने के लिए वैकल्पिक गंतव्यों को बढ़ावा देने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहा है। इसके अलावा, पर्यटन मंत्रालय ने मिशन लाइफ के तहत पर्यटन क्षेत्र के लिए एक कार्यक्रम 'ट्रैवल फॉर लाइफ (टीएफएल)' की परिकल्पना की है, जिसका उद्देश्य स्थायी पर्यटन के बारे में जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों और पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोगों को प्रकृति के साथ तालमेल वाले स्थायी अभ्यासों को अपनाने के लिए प्रेरित करना है। पर्यटन मंत्रालय ने भारत को वैश्विक स्तर पर स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन और इको-पर्यटन के लिए एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में स्थापित करने के दृष्टिकोण के साथ 'राष्ट्रीय स्थायी पर्यटन रणनीति' और 'राष्ट्रीय इको पर्यटन रणनीति' भी तैयार की है।

*****